UP Board Notes Class 7 Hindi Chapter 32 विनायक दामोदर सावरकर (महान व्यक्तित्व)

पाठ का सारांश

वीर सावरकर देशप्रेम, त्याग, साहस और शौर्य के प्रतीक थे। इन्होंने मातृभूमि को स्वाधीन कराने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इनका जन्म 28 मई, सन् 1883 को महाराष्ट्र के भागुर गाँव में हुआ था। ये छात्र-जीवन से ही देश की स्वाधीनता के लिए कार्य करते थे। सन् 1905 में पूना शहर में विदेशी वस्त्रों की होली जलाने के कारण इन्हें कॉलेज से निकाल दिया गया था। भारत के युवकों में स्वाधीनता की चेतना भरने तथा अँग्रेजी शासन के प्रति विद्रोह करने के उद्देश्य से इन्होंने मित्र मेला' तथा 'अभिनव भारत' नामक संस्थाएँ बनाई। इंग्लैंड में बैरिस्ट्री की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद भी अँग्रेजों ने वीर सावरकर को प्रमाण-पत्र नहीं दिया और इन्हें गिरफ्तार कर भारत लाया गया। तब ये जहाज की खिड़की से समुद्र में कूदकर फ्रांस की धरती पर पहुँच गए थे, परन्तु इन्हें बन्दी बनाकर कालेपानी की. पचपन वर्ष की सजा सुनाई गई। फिर वह 1937 से 1947 तक हिन्दू महासभा के अध्यक्ष रहे। 26 जनवरी, 1966 को इस महान देशभक्त की मृत्यु हो गई।

https://www.evidyarthi.in/